>

Title: Regarding need to open more procurement centres for paddy in the country.

श्री रेवती रमण सिंह (इलाहाबाद) : माननीय अध्यक्षा जी, आज मैं सदन में जो समस्या उठाने जा रहा हूं ...(व्यवधान) यह अत्यंत गंभीर मामला है। ...(व्यवधान) यह मामला लगभग 35 करोड़ आबादी से जुड़ा हुआ है। ...(व्यवधान) मान्यवर, ऐसे तो नहीं होगा। ...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब हो गया। आप सब अब इस विषय पर आ जाइये।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : बाजवा जी, आपस में क्या हो रहा है? आप सब बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अब हम दूसरे विषय पर आ गये हैं, इसलिए आप सब बैठ जाइये।

â€¦(व्यवधान)

श्री रेवती रमण सिंह : माननीय अध्यक्षा जी, मैं आपका आभारी हूं कि इतने महत्वपूर्ण विषय को आपने सदन में उठाने का मौका दिया। लेकिन मेरा आग्रह है, निवेदन है कि आप सदन में खाद्य मंत्री को बुला लें, क्योंकि माननीय मुलायम सिंह जी ने कुछ दिन पहले धान खरीद के बारे में एक सवाल उठाया था। उस समय खाद्य मंत्री ने कहा था कि हम एक टीम को यहां से भेज रहे हैं। हमारा कहना है कि टीम को भेजने से मामले का हल नहीं निकलेगा। उसका हल मंत्रालय से निकलेगा। भारत सरकार एमएसपी यानी समर्थन मूल्य घोषित करती है। समर्थन मूल्य किसानों के लिए लाभकारी मूल्य नहीं है, क्योंकि उनकी लागत ज्यादा है। लेकिन फिर भी केन्द्र सरकार यह घोषित करती है कि किसानों की कुछ मदद की जाये, जिससे उनकी उपज बिचौलिये न खरीद पाये। लेकिन समस्या क्या है और उसका निदान क्या है? खाली उत्तर प्रदेश पूरे देश में सबसे ज्यादा धान, चावल पैदा करता है। बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ आदि सबको जोड़ लिया जाये, तो लगभग 40 करोड़ आबादी इससे प्रभावित हो रही है। हमें मालूम नहीं लेकिन दूसरे प्रदेशों की भी आबादी इससे प्रभावित हो रही होगी। यह समस्या क्या है? माननीय मंत्री जी ने उस दिन मुलायम सिंह के जवाब में एक ऐसा मजाक किया कि हम यहां से एक टीम भेज रहे हैं। टीम क्या करेगी? उस समस्या का निदान यहां मंत्रालय से होना है। वह समस्या एफसीआई से संबंधित है। एफसीआई किसानों का खुले रूप से शोषण कर रही है। भारत सरकार ने एक हाईब्रिड वैरायटी निकाली जिसमें पानी कम लगता है और उत्पादन ज्यादा होता है। लेकिन उसमें टूटन ज्यादा होती है। इन्होंने कहा कि हाईब्रिड में रिकवरी 67 फीसदी आनी चाहिए जबकि हाईब्रिड में रिकवरी 62 से 64 फीसदी तक होती है। इससे ज्यादा उससे रिकवरी नहीं हो सकती। वह धान, चावल यह नहीं खरीदेंगे।

दूसरा, एफसीआई ने यह किया कि अगर चावल में 4 प्रतिशत से ज्यादा टूटन होगी तो वह चावल हम नहीं खरीदेंगे।

मान्यवर, मैं समस्या बता रहा हूं। जब तक मंत्री जी इसका जवाब नहीं देंगे तब तक यह निरर्थक हो जायेगा। आज ही धान मंडियों में आया है, लेकिन उसकी खरीद कहीं नहीं हो रही। मैं बाकी दूसरे प्रदेशों की बात नहीं जानता, लेकिन उत्तर प्रदेश, बिहार ...(व्यवधान) एफसीआई उसे खरीदे, न खरीदे, लेकिन उसमें जो रोड़ा अटकाने का काम कर रही है, वह बहुत गंभीर है। उसी के साथ-साथ अगर चावल की टूटन 4 प्रतिशत हुई, तो यह नहीं खरीदेंगे, जबकि हाईब्रिड की टूटन 3 प्रतिशत हो, तो उन्हें खरीदना चाहिए। हमारा कहना है कि वह यह प्रचलन बंद कर दें। आज हम किसानों की वजह से पूरी दुनिया से आयात नहीं कर रहे। हम अमेरिका से गेहूं नहीं मंगा रहे, आस्ट्रेलिया से गेहूं नहीं मंगा रहे, लेकिन हमारे किसानों को तो सही रेट मिले, लेकिन वे रेट्स भी देने को तैयार नहीं हैं। खाली घोषणा करने से कि हम किसानों को एमएसपी देंगे, कुछ होने वाला नहीं है।

मान्यवर, उसी के साथ एक समस्या परिवहन व्यय की है। इन्होंने परिवहन व्यय दस रुपये रखा है लेकिन आज महंगाई और डीजल के रेट में वृद्धि की वजह से व्यय ज्यादा आता है। मिलर उसे ले जाने के लिए तैयार नहीं है। जब इनके गोदामों में माल जाता है, तो कई दिन तक लाइन लगानी पड़ती है। तीन-चार दिन में वह माल उतर पाता है। इस तरह कौन दस रुपये में ढुलाई करेगा? यह एक गंभीर समस्या है।

मान्यवर, इनके पास स्टॉफ नहीं है। टेक्नीकल स्टॉफ भी नहीं है और न ही खरीद करने वाला स्टॉफ है। जितने क्रय केंद्र खुलने चाहिए, उतने क्रय केंद्र भी नहीं खोले जा सकते हैं। ये सब बहुत गंभीर समस्याएं हैं। मेरा आपसे आग्रह है कि हम अपनी बात कह दें, माननीय सदस्य अपनी बात कह दें, तो उसका क्या मतलब होगा अगर इसका निदान न हो। इसका एक ही चारा है, अभी इस सदन का सत्र एक हफ्ते है, अगर आपकी अनुज्ञा हो, तो जो समस्या है, वह मैं आपको लिखकर भी भेज सकता हूं। मेरा आपसे आग्रह है कि आप सरकार से यह कहें कि इसका निदान तत्काल करवाएं। अगर धान नहीं खरीदा जाएगा, तो बिचौलिए औन-पौने दाम पर खरीद लेंगे और किसान को घाटा होगा, क्योंकि आज केमिकल खाद का दाम इतना बढ़ गया है कि किसान को पड़ता नहीं होता है। मैं आपसे आग्रह करता हूं कि इस गंभीर समस्या पर आपका हस्तक्षेप बहुत जरूरी है और थॉमस जी को बुलवाकर इस पर जवाब दिलवा दीजिए। मंत्री जी अभी आए थे, लेकिन फिर वापस चले गए। इस पर आप सरकार को कुछ निर्देश दें।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया :

श्री गणेश सिंह,

श्री पन्ना लाल पुनिया,

श्री पी.के.िबजू स्वयं को श्री रेवती रमण सिंह जी द्वारा उठाए गए विषय के साथ सम्बद्ध करते हैं।

â€¦(व्यवधान)

श्री शैलेन्द्र कुमार (कौशाम्बी): सरकार की तरफ से इस पर जवाब आना चाहिए।

अध्यक्ष महोदया : शून्यकाल में निर्देश देने का सवाल नहीं है।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : ठीक है, आप बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: All this will not go on record.

(Interruptions) â€¦*

MADAM SPEAKER: It is a very serious matter. We are all concerned about the plight of the farmers and the paddy growers, and we do not want them to suffer any kind of loss. I would urge upon the Government to kindly take urgent steps.

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Now, we have Shri M. Anandan.

SHRI BASU DEB ACHARIA (BANKURA): Madam, I have also given notice. ...(*Interruptions*)